बरेली, सोमवार
9 मार्च, 2026
नगर संस्करण
मूल्य ₹ 7.00
पृष्ठ 16+4=20

दैनिक जागरण

PAGE NO III : BOTTOM

नाटक 'तीन थे भाई' का मंचन, सपनों की जिद ने दिलाया हीरो बनने का मौका

- रिद्धिमा में अमूल सागर नाथ निर्देशित नाटक का हुआ मंचन
- सच्चे अभिनय से प्रभावित होकर डायरेक्टर ने दिया मुख्य किरदार

बरेली : रिद्धिमा में रविवार शाम नाटक 'तीन थे भाई' का मंचन किया गया। इसमें तीन भाई (बड़का, मझला और छुटका) होते हैं।

ये मुरैना जिले की रामलीला में अभिनय करते हैं और फिल्मों में काम कर सफल हीरो बनना चाहते हैं। उनका नाटक देखने पहुंची मुंबई की कास्टिंग एजेंट मंच पर आकर तीनों भाइयों की एक्टिंग की तारीफ करती है और उन्हें मुंबई आकर हीरो बनने का न्योता देती है। गुरु के मना करने के बाद भी तीनों भाई मुंबई जाने का फैसला कर लेते हैं। रात में तीनों भाई बाऊजी को इसकी जानकारी देते हैं, लेकिन बाऊजी उनके एक्टर बनने के सपने का मजाक उड़ाते हैं। तीनों भाई बालीवुड के अलग-अलग अभिनेताओं के अंदाज में डायलाग बोलकर बाऊजी को मनाने की कोशिश करते हैं। अंत में, मझला भाई बाऊजी से एक साल में कुछ न बनने पाने पर वापस आकर खेती करने का वादा करता है। कास्टिंग एजेंट तीनों को एक डायरेक्टर के पास लेकर जाती है।

आडिशन में डायरेक्टर उन्हें पेट दर्द का सीन सख्ती के साथ करने को कहता है, लेकिन वे दोनों बार कामेडी कर देते हैं। गुस्सा होकर डायरेक्टर बड़का को चांटा मारती है। इस पर तीनों भाई गुस्सा हो जाते हैं और गुस्से में कहते हैं कि अब वो सच्चा अभिनय करके दिखाएंगे।

उनका यह सच्चा अभिनय डायरेक्टर को प्रभावित करता है और अपनी आने वाली फिल्म के मुख्य किरदार के रूप में उन्हें चुनती है।

ब्लैक पर्ल आर्ट नई दिल्ली की ओर से प्रस्तुत और अमूल सागर नाथ निर्देशित इस नाटक का नाट्य रूपांतरण अमूल सागर नाथ ने किया। मंचन के दौरान एसआरएमएस ट्रस्ट संस्थापक देव मूर्ति, आशा मूर्ति, आदित्य मूर्ति, डा. अनुज कुमार, डा. शैलेश सक्सेना, डा. आशीष कुमार आदि मौजूद रहे। वि.